



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 491]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 26, 2000/श्रावण 4, 1922

No. 491]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 26, 2000/SRAVANA 4, 1922

उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

(उपभोक्ता मामले विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 जुलाई, 2000

का. अ. 696 (अ).—केन्द्रीय सरकार, उपभोक्ता संरक्षण नियम, 1987 के नियम 3 के उपनियम (1) के तहत उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 (1986 के 68) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उपभोक्ता संरक्षण परिषद के निम्नलिखित सदस्यों के नाम अधिसूचित करती है और इस प्रत्येक के लिए भारत सरकार के उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, उपभोक्ता मामले विभाग की अधिसूचना संख्यांक का.आ. 392(अ), तारीख 18 अप्रैल, 2000 तथा का. आ. 450(अ), तारीख 10 मई, 2000 का निम्नलिखित रूप में संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में,—

(i) उपशीर्ष “नियम 3 के उपनियम (1) के खण्ड (ज) के तहत महिलाओं की प्रतिनिधियों” के अन्तर्गत क्र.सं. 110क और उससे संबंधित प्रविष्टियों के बाद निम्नलिखित क्र.सं. और प्रविष्टियां रखी जाएंगी, अर्थात् :—

“110ख. श्रीमती रमणदेन आर. मवानी,

अध्यक्ष,

राजकोट शहर/जिला ग्राहक सुरक्षा मण्डल “रामदीप”

रत्न मित्रान सोसायटी,

कादम्बर रोड, राजकोट, गुजरात-360005

सदस्य”

(ii) उपशीर्ष “नियम 3 के उपनियम (1) के खण्ड (अ) के तहत उपभोक्ता हितों का प्रतिनिधित्व करने में सक्षम व्यक्ति” के अन्तर्गत क्र. सं. 129क और उससे संबंधित प्रविष्टियों के बाद निम्नलिखित क्र. संख्या और प्रविष्टियां रखी जाएंगी, अर्थात् :—

“129क. श्री वेद अश्वीन,

अध्यक्ष,

जम्मू उपभोक्ता परिषद, जम्मू

सदस्य”

[क्रा. सं. 2(4)/99-सी पी यू]

संलग्न नोटिफिकेशन, अपर सचिव

नोट : मुख्य अधिसूचना भारत के राजपत्र (असाधारण) भाग-II, खण्ड-3, उपखण्ड (ii) में दिनांक 18 अप्रैल, 2000 की अधिसूचना का. आ. 392(अ) के द्वारा प्रकाशित की गई थी और इसको का. आ. 450(अ), तारीख 10 मई, 2000 के द्वारा संशोधित किया गया था।

